LITTLE STORYBOOK से बनी

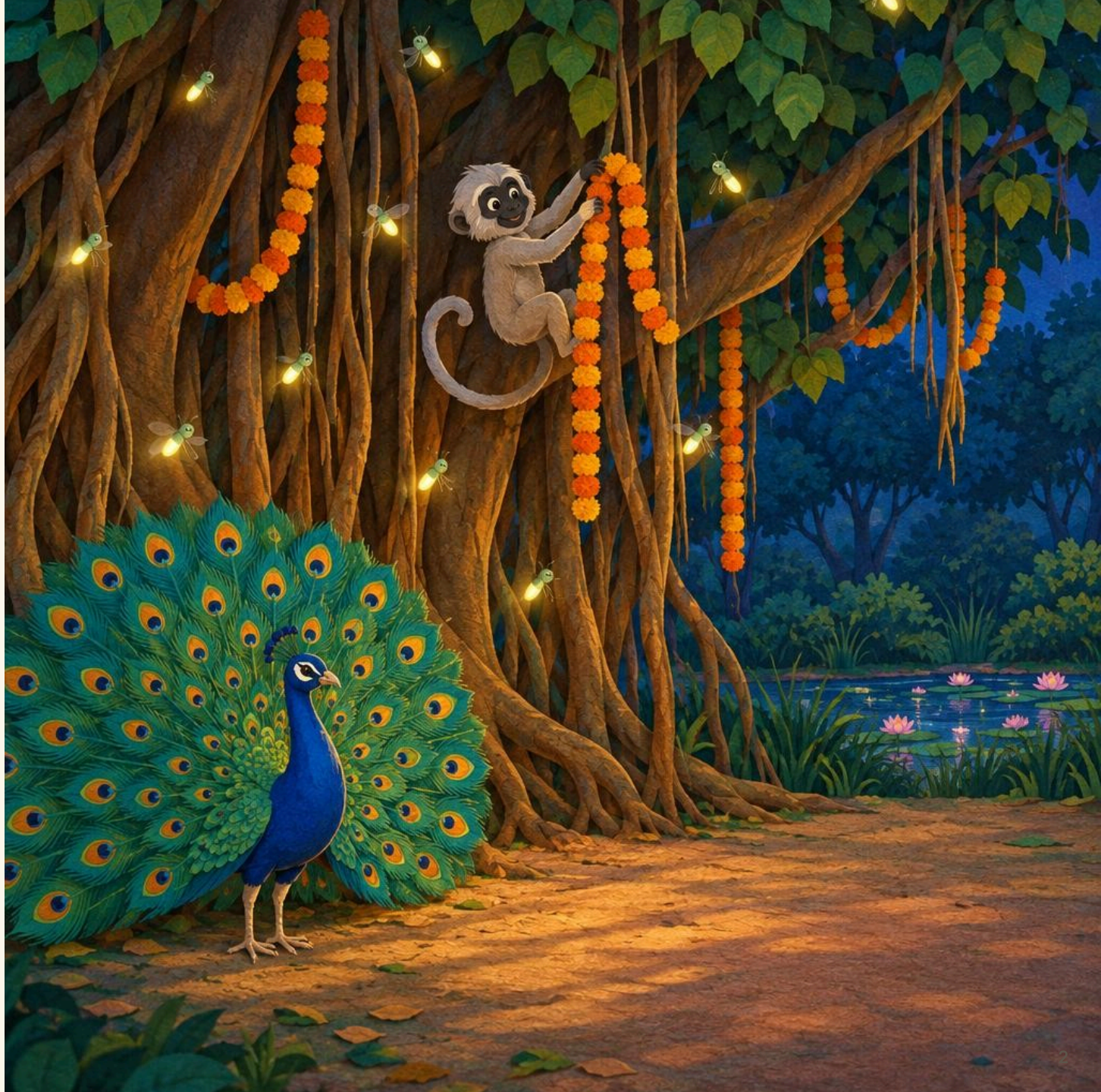
मोती की शांत दिवाली



littlestorybook.ai

बरगद में तैयारी

दिवाली की रात बरगद वाला जंगल जाग उठा था। जुगनू और उसके साथी अपनी टिम-टिम आज़मा रहे थे, मोर ने पूँछ फैलाई, और चीकू लटकती जड़ों पर गेंदे की मालाएँ टाँग रहा था। लेकिन मोती? वह कहीं दिखी ही नहीं।





मोती कहाँ छिपी?

आशा, जय और मेई नानी के साथ पहुँचे। लड्डू उनके पैरों के पास सूँघता चला आया, और तारे वाली लालटेन नरम-नरम चमक रही थी। बरगद के पीछे मोती मिली—कान नीचे, आँखें घबराई हुई, तन काँपता हुआ।

दूर का धम

तभी शहर की तरफ से दूर कहीं—धम! मोती उछल पड़ी। लड्डू झट जय की टाँगों के पीछे दुबक गया। मोती ने बहुत धीरे कहा, “रोशनी तो मुझे प्यारी लगती है, पर ये धमाके मेरे बड़े कानों को दुखा देते हैं।”





littlestorybook.ai

एक शांत उपाय

जय ने लड्डू को पास खींच लिया। “इसे भी धम-धम पसंद नहीं,” उसने कहा। मेई ने ऊपर लटकते तारों को देखा और बोली, “रोशनी खूब हो... पर धमाका न हो, ऐसी दिवाली करें?” मोती के कान थोड़े उठे। “शांत दिवाली?”

सबने हाथ बँटाया

फिर तो सब साथ लग गए। जुगनू ने सारे चमकते साथियों को बुलाया। मोर ने पगडंडी पर गेंदे की पंखुड़ियाँ बरसाईं। चीकू टुन-टुन घंटियाँ ले आया। आशा, जय और मेई ने बरगद की जड़ों में कागज़ की तारे वाली लालटेनें टाँग दीं—रोशनी रहे, धमाका नहीं।





अब मोती की बारी

मोती ने सूँड हिलाई। “मुझे भी मदद करनी है!” वह कमल वाले तालाब तक गई, सूँड पानी में डाली और लंबा-सा सुर्र किया। फिर सूँड आसमान की ओर उठी—फूँऽऽ!

चमकता पानी

पानी का फव्वारा रात में खिल गया। लालटेन और जुगनुओं की रोशनी में हर बूँद चाँदी-सी चमकी। पटाखे जैसी चमक थी, मगर एक भी धम नहीं—बस टिप-टिप, टप-टप।





शांत दिवाली शुरू

अब बरगद वाले जंगल की शांत दिवाली सचमुच शुरू हो गई। जुगनू टिमटिमाए, घंटियाँ टुन-टुन बजीं। मोर ने गोल-गोल नाच दिखाया, चीकू ने ताली बजाई, मोती कान ऊँचे करके झूमी। लड्डू ने भी पूँछ घुमाई और नाच में शामिल हो गया।

सबके लिए जगह

धीरे-धीरे शहर वाले दूर के धमाके भी थम गए। रात नरम और शांत हो गई। मोती ने चैन की मुस्कान दी। नानी बोलीं, “कुछ दोस्तों को तेज़ आवाज़ अच्छी लगती है, कुछ को शांति। दिवाली की रोशनी में सबके लिए जगह है।”





जंगल फिर चमका

घर पर नानी ने खिड़की पर दीयों की एक और कतार जलाई, और बच्चे एक कदम दूर खड़े चमक देखते रहे। बहुत दूर बरगद वाले जंगल में फिर पानी का चमकीला फव्वारा उठा। जय ने पुकारा, “शुभ दिवाली, मोती!” और पूरा जंगल टिम-टिम उजाला हो गया।

समाप्त

अपने बच्चे को इस कहानी में लाइए

मुफ़्त में आज़माइए। कोड स्कैन कीजिए या यहाँ जाइए

littlestorybook.ai/stories/hi/मोती-की-शांत-दिवाली

LITTLE STORYBOOK
littlestorybook.ai